पुल्स समाचार भोपाल, गुरुवार 17 जनवरी 2019

करने का हौसला और चिंतन की क्ष

88 साल की उम्र में भी वह नौजवा

ा कॉलेज में वयोवृद्ध गांधीवादी चिंतक सुब्बाराव

ददाता ● भोपाल
samachar.co.in

ीवादी चिंतक डॉ. ाव ने कहा कि यदि क पास कुछ करने का ंतन करने की क्षमता है का होकर भी नौजवान 8 वर्ष का है और उसमें ने का हौसला नहीं है, ।

वार को शासकीय ला एवं वाणिज्य में राष्ट्रीय सेवा योजना धी के 150 वें जयंती वर्ष पर आयोजित व्याख्यान में नव भारत की संकल्पना विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हमें संवेदनशील बनने की जरूरत है। संवेदनाओं का मर जाना राष्ट्र निर्माण के लिए घातक है नहीं तो घटनाएं हमारे बीच होती रहेंगी और हम मूक दर्शक बनकर देखते रहेंगे।

हमारे लिए गौर

कार्यक्रम की अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. पीके जैन गौरव का क्षण है कि ऐ गांधीवादी का आगम कार्यक्रम में विशिष्ट अ सिंह परिहार एवं सचि न्यास दयाराम नामदे अज्ञानी उपस्थित थे सुधीर कुमार शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना भूमिका के लिए जिल रासेयो डॉ. आर एस कार्यक्रम अधिकारी शाक्य को सम्मानि

जागरण Lake सिटी

दैनिक जागरण

भोपाल, 17 जनवरी 2019

www.jagranmp.com/epaper

दो लफ्ज

फलक देता है जिनको ऐश उनको गम भी होते हैं, जहां बजते हैं नक्कारे वहां मातम भी होते हैं।

० दाग

हर युवा एक घंटा देह को, एक घंटा देश को दे : डॉ. सुब्बाराव

हमीदिया कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा व्याख्यान का आयोजन

● लेक सिटी रिपोर्टर ●

'नौजवान आओ रे, नौजवान गाओ रे, लो कदम मिलाओ ये, लो कदम बढ़ाओ रे' इस गीत की पंक्तियों के साथ 90 वर्षीय गांधीवादी चिंतक और विश्व में शांति के लिए काम कर रहे डॉ. एसएन सुब्बाराव ने अपने उद्बोधन का प्रारंभ किया। वह बुधवार को हमीदिया कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा महात्मा गांधी के 150वें जयंती वर्ष पर आयोजित व्याख्यान में 'नव भारत की संकल्पना' विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि राहुल सिंह परिहार एवं सचिव गांधी भवन न्यास दयाराम नामदेव एवं अभिषेक अज्ञानी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. पीके जैन ने की।

हौसला और चिंतन करने की है क्षमता, तो 88 वर्ष में भी नौजवान

डॉ. सुब्बाराव ने कहा कि अगर व्यक्ति के पास कुछ करने का हौसला और चिंतन करने की क्षमता है तो 88 वर्ष का होकर भी नौजवान है, जबकि कोई व्यक्ति 18 वर्ष का है और उसके कोई सपने और कुछ कर गुजरने का हौसला नहीं है तो वह बुजुर्ग है। मैं इसी सिद्धांत पर इस उम्र में युवाओं के साथ काम कर रहा हूं। उन्होंने कहा आज हम भारत को विश्व में सिरमौर बनाना चाह रहे हैं, तो उसके लिए आवश्यकता है एक स्वस्थ मन की, उसके लिए हमें एक घंटा देह को और एक घंटा देश को देना होगा।

बंदूक से नहीं कार्यों से आएगा बदलाव

उन्होंने कहा कि आज बंदूक से बदलाव नहीं आएगा, बदलाव तो हम कार्यों के सहारे ही ला सकते हैं। युवा पीढ़ी ही जात-पात के बंधन को तोड़कर सामाजिक समरसता को आगे बढ़ा सकती है। युवाओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि समाज में अच्छे माहौल को बनाए रखने के लिए सक्रिय युवाओं को सकारात्मक कार्य करते हुए आगे बढ़ना चाहिए, चुप्पी साधने से कुछ नहीं होने वाला। इस दौरान जिला संगठक रासेयो डॉ. आरएस नरवरिया एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरपी शाक्य को सम्मानित किया गया।